

Living the LOTUS

Buddhism in Everyday Life

11
2020

VOL. 182

Founder's Essay

प्रत्येक मुठभेड़ की अनमोलता

हम सभी तर्क रूप से जानते हैं कि इस संसार में वस्तुयें पलक झपकते ही आती जाती हैं, लेकिन मुझे संदेह है कि जब तक हम एक निश्चित उम्र तक नहीं पहुँचते हैं, तब तक हम वास्तव में इसे समझ नहीं पाते हैं।

इससे पहले कि हम अपने जीवन के प्रत्येक दिन के महत्व और प्रत्येक मुठभेड़ की अनमोलता से अनजान जी रहे हैं, इस गलत सोच के साथ कि हमारे पास उससे सीखने, उसे देखने या फिर किसी के साथ समय बिताने का हमेशा अवसर होगा।

एक बार, एक भिक्षु जो आध्यात्मिक प्रगति में कमी के कारण निराश था, उसने ज़ेन मास्टर डोगेन (1200-53) से कहा, “कई वर्षों से मैं मार्ग के अनुकरण में तल्लीन हूँ। मुझे प्रगति का कुछ भी अनुभव

क्यों नहीं हुआ है?”

दोगेन ने उत्तर दिया, “प्रश्न यह है कि आपकी आकांक्षा यथेष्ट थी या नहीं, और यह तब तक नहीं होगा, जब तक कि आप इस लोक को अपने स्वयं से पहले अनुभव नहीं करते हैं।”

मुझे आशा है कि इस अनित्यता के आलोक में हम अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के प्रति, अपने दैनिक जीवन में प्रत्येक घटना के प्रति और धर्म केंद्र में जितने लोगों से मिलते हैं, उनके प्रति बड़ी प्रशंसा होनी चाहिए।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 9 (कोसेइ प्रकाशन, 1997),
पीपी. 274-275

Living the Lotus Vol. 182 (November 2020)

Senior Editor: Koichi Saito
Editor: Eriko Kanao
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissso Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशासन के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

आभार व्यक्त करने में सक्षम होने का आनन्द



निचिको निवानो

प्रेसिडेंट, रिश्शो कोसेइ काइ



आनन्दित मन

पुण्डरीक सूत्र का 18 वाँ अनुमोदनापुण्यनिर्देश परिवर्त, उस प्राप्त पुण्य का वर्णन करता है, जब कोई व्यक्ति धर्मदेशना को सुनकर आनन्दित होता है और किसी और के साथ उसे साझा करना चाहता है। जब कोई व्यक्ति धर्मदेशना को सुनकर आभार के साथ ग्रहण करता है और किसी और को सुनाना चाहता है। फिर, उसकी उत्प्रेरणा और आनंद को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को प्रेषित किया जाता है, ताकि पचासवें व्यक्ति द्वारा प्राप्त पुण्य अभी भी अति विशिष्ट परिमाण में है। उस व्यक्ति द्वारा प्राप्त की जाने वाली अपरिमेय पुण्य के बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है, जिसने सबसे पहले सुनकर मन में आनन्द का अनुभव किया है। जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, इस धर्मदेशना को “बारी बारी से पचासवाँ व्यक्ति जो सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र को सुनता है,” कहते हैं।

संयोग से, चीनी कैरेक्टर (जापनी में जुइकी) जो “आनन्द” का अर्थ देता है, और जो “अन्य लोगों के कुशल कार्यों को देखकर, मन में आनन्द पैदा करता है।”

मुझे लगता है कि जब आप किसी के कुशल कार्यों के बारे में देखते या सुनते हैं, तो आप उनसे प्रेरित अनुभव करते हैं।

बहुत से लोग प्रभावित होते हैं और प्रेरित होते हैं, जब वे आपदा-प्रभावित क्षेत्र के पुनर्निर्माण में सहयोग करने वाले स्वयंसेवकों के बारे में मीडिया रिपोर्टों को देखते हैं, या स्वास्थ्य पेशेवर कर्मियों को कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ एक जबरदस्त प्रयास करते देखते हैं?

एक और संभावना यह है कि आपके दैनिक जीवन में किसी चीज का एक आकस्मिक चित्र आपके मन में प्रसन्नता लाकर तरोताज़ा अनुभव कराता है।

मैंने दो साल की एक बच्ची की कहानी समाचार पत्र में पढ़ी है, जो अपने सिर के बाँब के साथ प्रत्येक यात्री को बधाई देने वाली एक ट्रेन कार से इधर उधर आ जा रही थी। चलती ट्रेन कार के आसपास के यात्री उसके आने जाने से उकता नहीं रहे थे, बल्कि अधिक से अधिक यात्रियों को उसके निर्दोष इशारे ने प्रभावित किया था, एक हृदय को छूनेवाला माहौल कार में बन गया।

चाहे वह स्वास्थ्य पेशेवरकर्मियों है या ट्रेन की छोटी लड़की, जब हम इस तरह का दृश्य देखते हैं तो हम प्रभावित होते हैं, शान्ति मिलती है और आनंदित अनुभव करते हैं?

क्योंकि हमारे पास छोटी बच्ची के समान निर्दोष हृदय है और स्वास्थ्य पेशेवरकर्मियों के रूप में पीड़ित लोगों की मदद करने की समान इच्छा है। भले ही हम स्वयं कार्रवाई में संलग्न नहीं रहे हों, जब हम दूसरों



के अच्छे कामों को देखते हैं, हम उनमें भाग लेते हैं। बाकी हम इन भावनाओं को कैसे मूर्त रूप दे सकते हैं, यह अलग बात है।

हम आभार के योग्य हैं

हमारा व्यक्तित्व, ऊर्जा, स्तर, शारीरिक क्षमता और सामाजिक स्थिति सभी अलग-अलग हैं, इसलिए हम में प्रत्येक जो कर रहे हैं, सभी अलग-अलग ढंग से करने में सक्षम हैं। उदाहरण के लिए, हर किसी के लिए यह संभव नहीं है कि जापानी मीडिया के उस व्यक्ति की नकल करे, जिसे “परम स्वयंसेवक” करार दिया गया है, जिसने हाल की प्राकृतिक आपदाओं से बचे लोगों की सहायता के लिए अविश्वसनीय निःस्वार्थ प्रयास किया है। हालाँकि, मानव प्राणी में प्रेरणा और आनंद को जीने और आभारी होने की शक्ति में बदलने की अनोखी क्षमता है।

जब आप इसके बारे में सोचते हैं, भले ही पेड़ पौधे और जानवर आभार व्यक्त नहीं कर सकते हैं, वे अपनी सम्बन्धित भूमिकाओं को पूरा करते हुए बहुत सद्भाव से रहते हैं। केवल हम मनुष्य ही, अपने मानव मन के साथ, ईर्ष्या, क्रोध, लोभ, और कभी-कभी, घृणा से ग्रस्त हैं। शायद मानव कृतज्ञ होने में सक्षम है, क्योंकि यह एकमात्र तरीका है जिससे हम प्रकृति के साथ और समाज में अन्य सभी के साथ मिल कर रहने के लिए यह महत्वपूर्ण है। हम उस तरह के इंसान हों जो हमेशा आभारी रह सकें।

सौभाग्य से, हम जानते हैं कि जो कुछ भी होता है, उसे साभार एवं आनन्द के साथ स्वीकार करें, हम सच्ची मानसिक शांति मिल सकती है। भले ही हमारे पास पैसा हो या रुतबा, हमें स्वयं को भद्र व्यक्ति बनाने के लिए समर्पित रहना है, और हम वास्तव में हर समय हर्षित अनुभव कर सकते हैं।

धम्मपद की यह गाथा हमारी प्रेरणा और कृतज्ञता को व्यक्त करती है: “मनुष्य के रूप में जीवन प्राप्त करना कठिन है और हम किसी दिन मर जाएँगे, इस जीवन को बनाये रखना मुश्किल है।” मानव जीवन प्राप्त करने और अब एवं यहाँ जीने के आंतरिक आनंद को दूसरों के साथ सच्चाई से साझा करना -- जिसे हम पचासवें व्यक्ति की धर्मदेशना में देखते हैं, वह स्वयं सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र को सुनता है - सच्चा आनंद फैलाता है।

From Kosei, November 2020.



समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्रः प्रत्येक अध्याय का सारांश एवं मुख्य बिन्दुयें

परिवर्त-19 धर्मभानकों के गुण

छह इन्द्रियों को शुद्ध करने का गुण

यह परिवर्त छह इन्द्रियों - आँख, कान, नाक, जीभ, काय और मन से जुड़े गुणों की व्याख्या करता है - जिन्हें कोई भी भद्र पुरुष या भद्र स्त्री सूत्र को प्राप्त कर और गले लगाकर, पढ़कर, पाठ कर, विवेचना कर, या कॉपी कर प्राप्त कर सकती है। शाक्यमुनि बुद्ध ने इन गुणों के बारे में अधिक विस्तार से बताते हुए, बोधिसत्त्व सततसमितायुक्त को कहा कि कोई व्यक्ति जो ऊपर की पाँच अभ्यासों में से किसी एक का अभ्यास करता है, वह प्राप्त कर लेगा “आँख के आठ सौ गुण, कान के बारह सौ गुण, नाक के आठ सौ गुण, जीभ के बारह सौ गुण, काय के आठ सौ गुण और मन के बारह सौ गुण।” अभिव्यक्ति का यह तरीका इतना प्रतीकात्मक है कि आज के पाठक इससे भ्रमित हो सकते हैं। इसलिए, इसे व्यक्त किए गए अंतर्निहित सत्य को प्राप्त करना आवश्यक है।

बोधिसत्व की चार अभयता

परिवर्त के पहले गाथा खंड में, बुद्ध के सामने आँख के चार गुणों की व्याख्या की, ये चार पंक्तियाँ हैं: “आप सभी गुणों को सुनें, महासमागम के समक्ष, जिनका मन निर्भीक है, और जो पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा देते हैं।”

यहाँ “निर्भीक मन” का आशय है कि जो कोई दृढ़ता के साथ विश्वास करता है, उसे बिना किसी डर या संकोच के साझा करता है। परंपरा से, इस अवधारणा को “बुद्ध की चार निर्भयता” कहा जाता है, यह बुद्ध के निर्भीक मन के समानान्तर है। हम कह सकते हैं कि यह बोधिसत्वों की सबसे महत्वपूर्ण मानसिकता है, जो पुण्डरीक सूत्र की देशना का अधःपतन के युग में फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

पहली निर्भयता “पूर्ण समझ और स्मरण” में है, जिसका अर्थ है धर्म की सभी शिक्षाओं को याद कर लेने के बाद निडर होकर सिखाना, ताकि कोई उन्हें कभी भूल न सके।

दूसरी निर्भयता “सभी धर्म औषधि के गहन ज्ञान” में है, जिसका अर्थ है कि धर्म औषधि की क्षमताओं को अच्छी तरह से जानकर तथा जीवित प्राणियों के मन और क्षमता के अनुसार निडर होकर



सिखाना। जो प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत क्षमता और मन के अनुसार धर्म औषधि सिखा सकता है, वह धर्म को आत्मविश्वास के साथ सिखा सकेगा।

तीसरी निर्भयता “प्रश्न पूछने और उत्तर देने में निपुणता” में है, जिसका अर्थ है कि धर्म को अच्छे और पर्याप्त प्रश्नों और उत्तरों के साथ निडरता से उपदेश करना। जो किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकता है और बुद्ध की शिक्षाओं के अनुरूप विश्वासोत्पादक ढंग से किसी भी आपत्ति को दूर कर सकता है, वह बिना किसी भय के धर्म की शिक्षा दे सकेगा।

चौथी निर्भयता “शंकाओं को हल करने की क्षमता” में है, जिसका अर्थ धर्म की शंकाओं का समाधान पर्याप्त रूप से निडर होकर करना है। चूँकि बुद्ध की शिक्षाओं का अंतिम उद्देश्य सभी जीवित प्राणियों की मुक्ति है, व्यक्ति जिसे गंभीर प्रश्नों की समझ है कि कैसे उसकी देशनानुसार व्याख्या करनी है। बोधिसत्व जो इस तरह से संशय को पर्याप्त रूप से हल कर सकते हैं, वे धर्म का निडर होकर उपदेश कर सकते हैं।

जब हम धर्म के उपदेश की कठिनाइयों को देखते हैं, तो हम में से कुछ भीरू हो सकते हैं। हालाँकि, हमें डर नहीं होना चाहिए। चार प्रकार की निर्भयता आदर्श धर्मभाणक में होती है, और जो एक आदर्श धर्मभाणक के रूप में उत्तीर्ण होता है, वह पहले से ही वरिष्ठ



बोधिसत्त्व बन चुका होता है। लेकिन कोई भी एक वरिष्ठ बोधिसत्त्व के रूप में प्रारंभ नहीं करता है - एक लंबे अन्तराल में, निरंतर प्रयास से और बराबर गलती और सुधार के बाद वरिष्ठ हो जाता है। इसलिए, हम में से जो बोधिसत्त्व अभ्यास में प्रशिक्षण लेते हैं, उन्हें धर्म के उपदेश का प्रयास करते समय हमेशा इन चार आदर्शों को ध्यान में रखना चाहिए। जब हम एक कठिन समस्या का सामना करते हैं या एक ऐसा प्रश्न पूछा जाता है जिसका हम ठीक से उत्तर देने में असमर्थ होते हैं, तो हमें स्पष्ट रूप से कहना चाहिए, “इस प्रश्न का उत्तर देना अभी मेरी क्षमता से परे है। मैं इसकी और अधिक सावधानी से जाँच करने जा रहा हूँ, और यदि आवश्यक होगा, तो किसी अपने से योग्य वरिष्ठ से पुछूँगा। फिर मैं आपको उत्तर दूँगा।” हमें मौके पर ही उत्तर का सपना नहीं देखना चाहिए। यह मानना कि हम अमुक प्रश्न का निश्चित उत्तर दे सकने में असमर्थ हैं, कहने से हम धर्मभाणक के रूप में दूसरों की आँखों में गिर नहीं सकते हैं, बल्कि हम पर उनका विश्वास बढ़ता है।

वास्तविक जीवन कैसे धर्म के अनुरूप है

परिवर्त के अंत की एक पंक्ति की अनदेखी नहीं किया जाना चाहिए: “अगर वे धर्मनिरपेक्ष ग्रंथों, शासन, आजीविका के साधनों, और इसके बारे में बात करते हैं, तो सभी सच्चे धर्म के अनुरूप होंगे।” वे यहाँ धर्मभाणकों को संदर्भित करते हैं, और इस कथन का सीधा सा अर्थ है कि जब हम दैनिक जीवन के बारे में पढ़ाते हैं, सरकार से चर्चा करते हैं, या व्यावसायिक सलाह देते हैं, तो यह सभी सच्चे धर्म के अनुरूप होंगे।

सच्चा धर्म व्यक्तिगत आध्यात्मिक सम्बन्धों तक सीमित नहीं है - इसका बड़े स्तर पर समाज के साथ वास्ता है। इसलिए, यह धर्मनिरपेक्ष जीवन को कानून के दायरे में लाता है। यदि ऐसा नहीं होता, तो अंततः सभी मानव जाति को मुक्त करने की शक्ति नहीं होती। हमें इस बिंदु को अच्छी तरह से चिन्हित करना चाहिए।

यह उस पाठ का हिंदी अनुवाद है जिसका जापानी मूल होक्के सानबुक्यो: काकु होन नो आरामासी तो योतेन (समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्रः प्रत्येक परिवर्त का सारांश और मुख्य बिंदुएँ) में संस्थापक निक्क्यो निवानो के नाम प्रकाशित है, (कोसेइ प्रकाशन, 1991 (संशोधित संस्करण, 2016), पीपी.183-87.



बोधिसत्व अभ्यास के द्वारा आभार व्यक्त करना

नवंबर वह महीना है, जब हम पीछे मुड़कर पूरे वर्ष को देखना शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि कोविड-19 महामारी के कारण असामान्य परिस्थितियों के बीच भी आपमें से कई लोगों की सोच नई है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है अपने जीवन के विषय सोचने समझने और यह पूछने का अवसर है कि वास्तव में आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है।

इस महीने के अपने संदेश, "आभार व्यक्त करने में सक्षम होने की खुशी," में प्रेसिडेंट निचिको निवानो ने एक वाक्यांश को संदर्भित किया है, जिसे "पचासवाँ व्यक्ति पुण्डरीक सूत्र की धर्मदेशना में सुनता है," वह पुण्डरीक सूत्र के 18 वाँ अनुमोदनापुण्यनिर्देश परिवर्त में दिखाई देता है। प्रेसिडेंट निवानो ने हमें देशनाओं का सामना करते समय सबसे प्रथम बार सुनने के अनुभव के आनंद की याद दिलाया है और यह अनुभव कराया है कि हम सभी में बुद्ध की तरह ही कुशल कार्य करने की इच्छा है। वह हमें सिखाता है कि जीवित रहने के लिए अपनी खुशी और कृतज्ञता को दूसरों के साथ सच्चाई से साझा करना महत्वपूर्ण है।

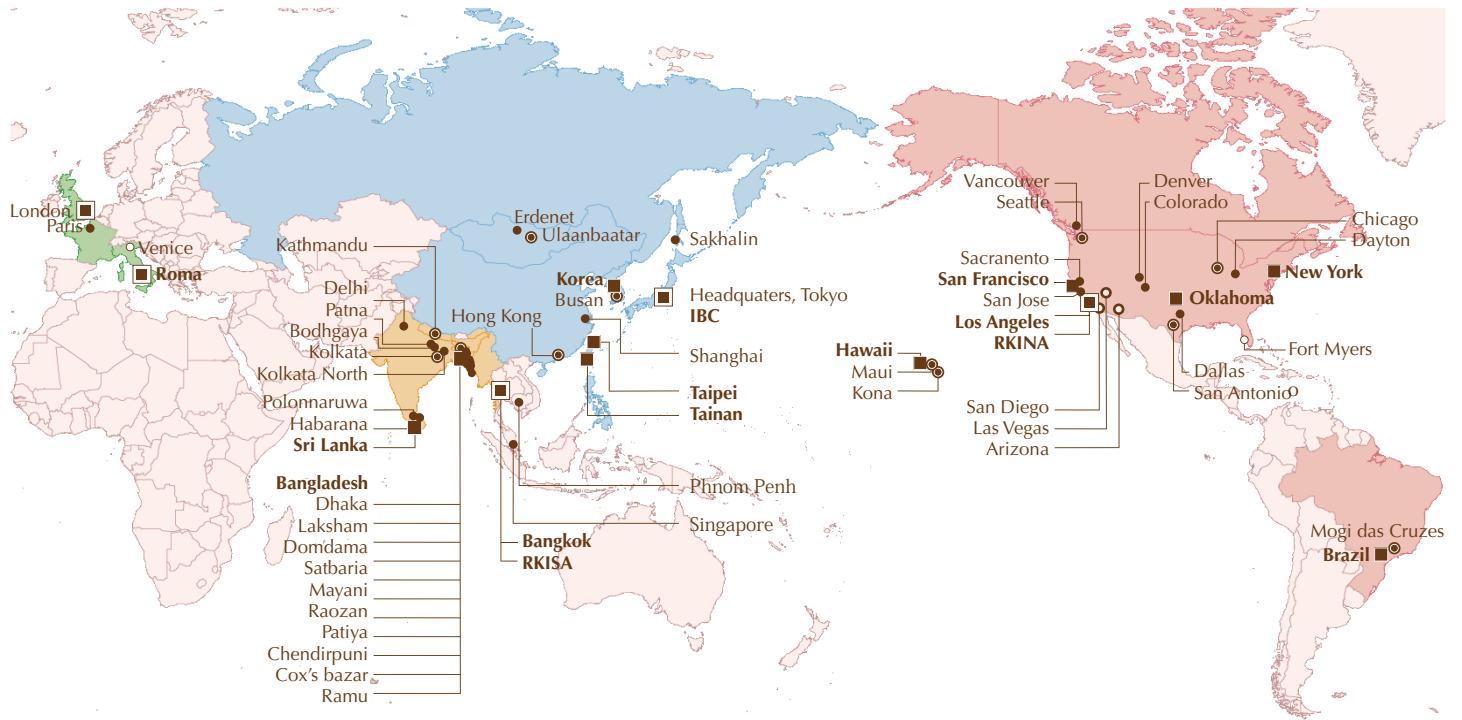
इस महीने, हम संस्थापक निक्क्यो निवानो के जन्म की वर्षगाँठ मनाते हैं। इस दिन, हम संस्थापक निवानो के प्रति अपनी कृतज्ञता के ऋण को चुकाने के लिए अपने व्रत का नवीनीकरण करेंगे और अपने पूज्य शिक्षक के रूप में संस्थापक के जीवन पर चिंतन करते हुए शिक्षाओं को व्यापक रूप से प्रसारित करने के अपने प्रयासों को जुटाएँगे।

रेव. कोइची साइतो

निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल



Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org URL: <http://www.rksf.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: kosekaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact RiKISA

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL/FAX: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni,

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/RKUnitedKingdom>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>